ekr`Ro LokLF; gdnkjh vfHk;ku lruk
tulokn&fjiksVZ

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन वर्ष 2005 मे भारत सरकार द्वारा शुरू इस महत्वकांक्षी मिशन का प्रमुख मकसद प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसवोत्तर स्वास्थ्य सुविधाओ को सुनिश्चित करना था। इस हेतु जननी सुरक्षा योजना एवं जननी एक्सप्रेस आदि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित की जा रही है, उपरोक्त मकसद को हासिल करने के लिए रणनितिक विकल्प के रूप मे जोड़े गये। इस मिशन की 8 वर्षीय यात्रा के बाद भी स्वास्थ्य सेवाओ, सेवाप्रदाओ संरचनात्मक व्यवस्थाओं एवं पात्रों तक सुविधाओ की पहुॅच के स्तर सतना जिले के रामपुर, नागौद, उचेहरा, मझगवां ब्लाक के कई गांवो के आंगनवाडी केन्द्र और उपस्वास्थ्य केन्द्र के सुविधाओ के स्तर को जानने हेतु अहसास संस्था, संतोष देवी मानव विकास संस्था, ग्राम सुधार समिति द्वारा अध्ययन किया गया इस अध्ययन के उभरे तथ्यो को जनसंवाद के लिए दिनांक 11.02.14 को सभी सतना जिले के सामाजिक संस्था और समुदाय के लोग विधायक शंकरलाल तिवारी जी के और सी.एम.एच.ओ. प्रतिनिधि श्री सतेन्द्र सिंह के सामने जनसंवाद मे सभी तथ्यो को उठाया गया और समुदाय के तरफ से कई मांगे रखी गई।

ifr Hkkxh% 48 महिला 55 पुरूषों को मिलाकर 103 लोगों ने जनसंवाद में भाग लिया।

LFkku@fnukd % 1102.14, सिद्वांत होटल, सेमरिया चौक, सतना म.प्र.

tul okn e ie!k "#k; x; enn %& समुदाय से आई रामरती कोल द्वारा कहा गया कि जब हम प्रसव के लिए अस्पताल गये तो वहां हमे जननी एक्सप्रेस लेने या छोड़ने नही गई और हमसे नर्स द्वारा पैसा मांगा गया और नर्सो का व्यवहार भी सही नही था। इसी तरह उचेहरा से कविता ने कहा कि हमारे यहां आंगनवाड़ी नही खुलती। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गांव मे रहती ही नही है उप स्वास्थ्य केन्द्र में जॉच नही होती है। ए.एन.एम. भी कभी नही आती, टीकाकरण समय–समय पर नही होता है। स्वास्थ्य सुविधाओ से हमारे गांव के लोग वंचित है।

- ekx i%& सभी संस्था के और समुदाय के लोगो की तरफ से अहसास संस्था की सावित्री सिंह ने विधायक शंकर लाल तिवारी को मांग पत्र दिया। और उन्हें याद दिलाया कि चुनाव के पहले आपको यह मांग पत्र दिया गया था, जिसको पूरा करने का आपने वादा किया गया, मांग पत्र में निम्नलिखित मांगे है
- सामुदायिक निगरानी प्रक्रिया शासन द्वारा स्थाई रूप से चलायी जानी चाहिए। जिसकी दिशा निर्देश मे स्वयं सेवी संस्थाओ के प्रतिनिधियो को रखा जाए।

- सामुदायिक निगरानी प्रक्रिया को सरकार द्वारा लगातार चलाया जाए।
- प्रत्येक सरकारी अस्पताल मे प्रसव के लिए उचित व्यवस्था की जाए।
- प्रत्येक सरकारी अस्पताल में डाक्टरो के रिक्त पदो को भरा जाए।
- प्रत्येंक गांव के उपस्वास्थ्य केन्द्र पर गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं कि सूची लगी होनी चाहिए।
- गंभीर संकेत में आने वाली गर्भवती महिलाओ की सूची ग्राम स्वास्थ्य एवं ग्राम तदर्थ समिति के सदस्यों को दी जानी चाहिए।
- गांव स्तर पर भी सामानय बीमारियों की जानकारी नर्स द्वारा गांव स्तर पर बैठक कर तय कि जानी चाहिए एवं इन बीमारियों की दवा आशा एवं ग्राम स्वास्थ्य एवं तदर्थ समिति के पास भी होना चाहिए।
- गर्भावस्था के दौरान होने वाली विभिन्न जॉचो के लिए माह में स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का दौरा किया जाना चाहिए।
- जिले स्तर पर जननी एक्सप्रेस/108 एबुलेन्स की संख्याओं को बढ़ाया जाए।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के प्रत्येक स्तर पर शिकायत निवारण प्रणाली को लागू किया जा जिसमें स्थानिक स्तर की स्वयंसेवी संस्थाओं के दो प्रतिनिधियों को सदस्य बनाया जाए।
- गांव स्तर पर होन वाले ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर मिलने वाले सुविधाओं की निगरानी एवं मूल्यांकन समिति के लिए स्थानीय स्तर की स्वयंसेवी संस्थाओं की समिति का गठन किया जाए।